

जिसके द्वारा शत्रु का ज्ञान नष्ट करके उसे या तो भ्रमित या मूर्च्छित कर दिया जाता है।

**मोहक वि.** (तत्.) 1. मोह उत्पन्न करने वाला 2. मुग्ध कर लेने वाला, आकर्षक, लुभावना।

**मोहकार पुं.** (देश.) धातु के घड़े का गला समेत मुहँड़ा, ठेरा।

**मोहठा पुं.** (तत्.) दस अक्षरों का एक प्रकार का वर्ण-वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में तीन रगण और एक गुरु होता है। बाला।

**मोहड़ा पुं.** (देश.) 1. किसी पात्र का मुँह या उपरी खुला हुआ भाग 2. फुटकर बिक्री के उद्देश्य से अन्न के बोरे खोलना और उनकी दुकानें या ढेरियाँ लगाना 3. अगला या ऊपरी भाग 4. मुख।

**मोहतमिम पुं.** (अर.) प्रबंध करने वाला, व्यवस्थापक, प्रबंधक।

**मोहतमिल वि.** (अर.) संदिग्ध।

**मोहतरम वि.** (अर.) महोदय, श्रीमान।

**मोहताज वि.** (अर.) 1. निर्धन, गरीब, धनहीन 2. जिसे किसी आवश्यक वस्तु का अभाव हो, अभाव-पीड़ित 3. किसी आवश्यक वस्तु या बात के लिए किसी की सहायता मिलने पर आश्रित, निर्भर।

**मोहताजी स्त्री.** (अर.) 1. निर्धनता, गरीबी 2. मोहताज होने की अवस्था या भाव 3. परनिर्भरता, पराश्रितता।

**मोहदी पुं.** (अर.) सैयद मुहीउद्दीन नामक महात्मा जो जायसी के गुरु थे उदा. गुरु मोहदी खेवबू में सेवा जायसी।

**मोहन वि.** (तत्.) 1. मोह उत्पन्न करने वाला, मोहक 2. आकर्षक 3. मन को मोहने वाला, मनमोहक 4. भ्रम में डालने वाला, भ्रामक 5. व्याकुल, परेशान 4. शिव 5. श्रीकृष्ण 6. कामदेव के पाँच बाणों में से एक बाण का नाम जिसका काम मोहित करना है 7. धतूरा 8. एक तांत्रिक प्रयोग जिससे किसी को मूर्च्छित किया जाता है 9. एक प्रकार का वर्णवृत्त जिसके

प्रत्येक चरण में एक सगण और एक जगण होता है 10. संगीत में बारह तालों का एक प्रकार का ताल जिसमें सात आघात और पाँच खाली होते हैं।

**मोहनक पुं.** (तत्.) 1. एक प्रकार का समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में गुरु और तीन सगण होते हैं 2. चैत्र मास।

**मोहन-भोग पुं.** (तत्.) 1. एक प्रकार का मीठा स्वादिष्ट व्यंजन, हलवा 2. एक प्रकार की बंगाली मिठाई 3. एक प्रकार का चावल 4. एक प्रकार का आम 5. एक प्रकार का केला।

**मोहन-माला स्त्री.** (तत्.) सोने के दानों की पिरोई हुई माला।

**मोहना अ.क्रि.** (तत्.) 1. मुग्ध होना, मोहित होना 2. बेहोश होना या मूर्च्छित होना 3. मोह के वश में होना 4. भ्रम में पड़ना, भ्रमित होना **स.क्रि.** 1. मोहित करना, लुभाना 2. भ्रम में डालना 3. मोहग्रस्त करना।

**मोहनास्त्र पुं.** (तत्.) प्राचीन काल का एक अस्त्र जिसके प्रभाव से शत्रु या शत्रु-सेना कुछ समय के लिए मूर्च्छित हो जाती थी।

**मोह-निद्रा स्त्री.** (तत्.) 1. मोह के कारण आने वाली निद्रा या बेहोशी 2. वह अवस्था जिसमें मनुष्य अज्ञान, अहंकार या भ्रमवश वास्तविक स्थिति की अपेक्षा करता है।

**मोहनी स्त्री.** (तत्.) 1. ऐसी क्रिया, रूप या शक्ति जिससे किसी को पूरी तरह से मोहित किया जा सके 2. कोई ऐसा तांत्रिक प्रयोग अथवा कोई ऐसी क्रिया जिससे किसी को अपने वश में किया जा सके **मुहा.** मोहनी डालना- ऐसा प्रभाव डालना कि कोई पूरी तरह से मोहित हो जाए 3. आकर्षण 4. माया 5. आकर्षक सुंदरी।

**मोहनीय वि.** (तत्.) मोहित किए जाने के योग्य, जिसे मोहित किया जा सके या जो मोहित किया जाने वाला हो।

**मोहफिल स्त्री.** (अर.) दे. महफिल।

**मोहब्बत स्त्री.** (अर.) प्रीति, प्रेम दे. मुहब्बत।